D नं 1612/2014

[redacted]

राजस्थान RAJAS[redacted]

A 168307

विक्रय पत्र कृषि भूमि तादादी रूपया 8,55,000/-

स्टाम्प कीमत 10,000/- रूपया

यह विक्रय पत्र आज दिनांक को निम्न पक्षकारो के मध्य निम्न प्रकार से निष्पादित किया गया है।

विक्रेता : 1.श्री मनोहरशंकर पिता गोकल जी जाति ब्राहम्ण आयु 62 वर्ष पेशा ~~नौकरी~~ निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द हाल 301, न्यू विधानगर वार्ड नं. 11 उदयपुर तह. गिर्वा जिला उदयपुर

2.श्री बसन्तकुमार पिता गोकल जी जाति ब्राहम्ण आयु 59 वर्ष पेशा नौकरी निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द हाल ख-3 गणपति नगर बोहरा गणेश रोड उदयपुर तह. गिर्वा जिला उदयपुर

ह0 ... ट्रस्ट ... ह0विक्रेता 2

सेटलर/ट्रस्टी

[redacted]

स्टाम्प मुद्रांक विक्रेता-दिनेश चन्द्र उपाध्याय अनुज्ञा पत्र सं. 20/86
क्र. क्रम सं. 2665 [redacted] 11-11-14 स्टाम्प वैल्यू 10,000

मुद्रांक क्रेता का नाम गिरीश कुमार S/o गोकुल जी
जाति ब्राह्मण उम्र 54 कुंवारिया
प्रयोजन विक्रयपत्र
इससे क्रय की दशा में ...

गिरीश...
क्रेता/हस्ते के हस्ताक्षर　　　मुद्रांक विक्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 14.11.14 को कार्यालय समय
श्री ...हर शंकर पिता S/o गोकुल
जाति ब्राह्मण उम्र 52 पेशा [redacted]
निवासी कुंवारिया हाल मुहल्ला [redacted] उदयपुर, गिर्वा
जिला उदयपुर ने यह लेख पत्र वास्ते पंजीयन प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता　　　उप-पंजीयक कुंवारिया

कार्यालय उप पंजीयक कुंवारिया ★ जिला-राजसमन्द ★

1.	पंजीयन शुल्क	8560
2.	प्रतिलिपि शुल्क	300
3.	अन्य/S. Charge	4280
4.	कमी मुद्रांक शुल्क	32800
	योग =	45940

E-CHALLAN रसीद संख्या 400425? दिनांक 14.11.14
GRN

उप-पंजीयक कुंवारिया

//2//

<u>*नोट : विक्रय पत्र तादादी रुपया 8,55,000/- के साथ संलग्न*</u>

3.श्री गिरीश कुमार पिता गोकल जी जाति ब्राहम्ण आयु 54 वर्ष पेशा व्यापार निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द

4.श्रीमती सुशीला देवी पिता गोकल जी पति रामेश्वरलाल जी जाति ब्राहम्ण आयु वयस्क पेशा गृहणी निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द
हाल कपासन तहसील कपासन जिला चित्तोडगढ

5.श्रीमती कमला देवी पिता गोकल जी पति जगदीश चन्द्र जी जाति ब्राहम्ण आयु वयस्क पेशा गृहणी निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द
हाल आजाद नगर भीलवाडा जिला भीलवाडा

6.गोवर्धनलाल पिता बैजनाथ जी जाति ब्राहम्ण आयु वयस्क पेशा पेन्शनर निवासी कुंवारिया तहसील व जिला राजसमन्द

................विक्रेता प्रथम पक्ष

ह0विक्रेता 3

नजर ... ट्रस्ट

1. श्री मनोहर शंकर S/o गोकुल जाति ब्राह्मण उम्र 62 वर्ष पेशा पेंशनर नि. कुंवारिया हाल न्यू विद्यानगर उदयपुर तह. गिर्वा जिला उदयपुर

2. श्री प्रसन्न कुमार S/o गोकुल जाति ब्राह्मण उम्र 57 वर्ष पेशा नौकरी नि. कुंवारिया हाल गणपति नगर बोहरा गणेश रोड, उदयपुर तह. गिर्वा जिला उदयपुर

3. श्री गिरिश कुमार S/o गोकुल जाति ब्राह्मण उम्र 54 वर्ष पेशा व्यापार नि. कुंवारिया तह. व जिला राजसमन्द

4. श्रीमती सुशीला देवी D/o गोकुल W/o रामेश्वर लाल जाति ब्राह्मण उम्र वयस्क पेशा गृहणी नि. कुंवारिया हाल कपासन जिला चित्तौड़गढ़

5. श्रीमती कमला देवी D/o गोकुल W/o जगदीश चन्द्र जाति ब्राह्मण उम्र वयस्क पेशा गृहणी नि. कुंवारिया तह. व जिला राजसमन्द हाल आजाद नगर भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा

6. श्री गोवर्धन लाल पिता S/o ओंकारनाथ
जाति ब्राह्मण उम्र वयस्क पेशा पेंशनर
निवासी कुंवारिया तहसील राजसमन्द
जिला राजसमन्द ने कार्यालय में उपस्थित
होकर इस लेख्य पत्र का निष्पादन स्वीकार किया ।
प्रतिफल में रूपये 855000/ अक्षरे रूपये आठ लाख पचपन हजार
मात्र प्राप्त होना स्वीकार किया ।

उक्त लेख्य पत्र पंजीयन किया जावें ।

हस्ताक्षर निष्पादनकर्ता

उप-पंजीयक कुंवारिया

कार्यालय उप पंजीयक कुंवारिया * जिला-राजसमन्द (राज.)

भांगीलाल पगारिया पिता श्री शंकरलाल जी जाति पगारिया
आयु 68 वर्ष पेशा सेवानिवृत्त अध्यापक निवासी श्रीकृष्णनगर
भीलवाड़ा रोड कांकरोली तहसील व जिला राजसमन्द

.... क्रेता द्वितीय पक्ष

1- यह कि राजस्व ग्राम **खांखलियाखेड़ा पटवार सर्कल कुंवारिया** तहसील व जिला राजसमन्द (राज.) में प्रथम पक्ष विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य में राजस्व रेकार्ड सम्वत् 2068-2071 में निम्न कृषि भूमि स्थित है तथा उक्त भूमि राजस्व रेकार्ड मे विक्रेता के नाम पर दर्ज है एवं काबिज/आधिपत्यधारी व खातेदार होने से उक्त भूमि विक्रय करने का विक्रेता को कानूनी एवं वास्तविक अधिकार है।

विक्रय भूमि का विवरण .

खाता सं.	खसरा नं.	क्षेत्रफल	किस्म भूमि
120	807	9-00	बा.द्वि.
कुल खसरा 1 कुल क्षेत्रफल 9-00 सम्पूर्ण भूमि विक्रय की है।			

नोट : विक्रयसुदा भूमि आबादी एवं सडक से डेढ किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है।

2- यह कि विक्रेता को अपने पारिवारिक खर्च एवं अन्य कार्यो में रूपयों की आवश्यकता होने से उक्त वर्णित भूमि को विक्रय करने का प्रस्ताव द्वितीय पक्ष क्रेता के समक्ष रखा, द्वितीय पक्ष को उक्त आराजीयात की आवश्यकता होने से उक्त भूमि को **रूपया 8,55,000/- अक्षरे आठ लाख पचपन हजार रूपया** में क्रय करने की सहमति दी।

ह0 क्रेता

ह0विक्रेता 4

उप पंजीयक कुं0,रेला

[illegible] ... शंकर लाल [illegible]
पगारिया उम्र 68 वर्ष पेशा सेवानिवृत्त अध्यापक नि. श्री
टण्ण नगर रोड, कांकरोली तह. व जिला राजसमन्द
भीलवाड़ा

1. [illegible] श्री मुकेश कुमार
पिता श्यामसुन्दर जाति ब्राह्मण उम्र 40 वर्ष
पेशा व्यापार निवासी कुवारिया
तहसील राजसमन्द जिला राजसमन्द

2. श्री सुरेन्द्र सिंह पिता श्री मगन लाल
जाति पाल, उम्र 25 वर्ष पेशा नौकरी
निवासी कांकरोली तहसील राजसमन्द
जिला राजसमन्द ने शिनाख्त की।

(1) हस्ताक्षर
(2) हस्ताक्षर

उप पंजीयक, [illegible]

[illegible] देवी सेवा ट्रस्ट
सेटलर/ट्रस्टी

उप पंजीयक कुवारिया
जिला-राजसमन्द (राज.)

कार्यालय उप पंजीयक कुवारिया
जिला-राजसमन्द (राज.)

E-CHALLAN

कमी स्टाम्प शुल्क 32800/-
होने से 32800/- रु. [illegible]
संख्या 4004257 GRN दिनांक 14.11.14
जमा कर कुल मालियत 8559.00 रु.
पर [illegible] पंजीयन किया

उप पंजीयक [illegible]

<u>नोट : विक्रय पत्र तादादी रूपया 8,55,000/- के साथ संलग्न</u>

3- यह कि उक्त प्रस्ताव व सहमति के अनुसरण में विक्रेता प्रथम पक्ष ने अपने मन व शरीर की स्वस्थचित अवस्था में अपने पारिवारिक हित में उपरोक्त भूमि मय तमाम हक हकूक निकाल पेशार पाली होली बांड एवं खडे वृक्षों सहित बिल एवज **रूपया 8,55,000/- अक्षरे आठ लाख पचपन हजार रूपया** में आप द्वितीय पक्ष क्रेता को भौतिक एवं विधिक रूप से आधिपत्य सिपूर्द कर दिया है एवं क्रेता ने विक्रेता से उक्त भूमि का भौतिक एवं विधिक रूप से कब्जा प्राप्त कर लिया है तथा विक्रय राशि **रूपया 8,55,000/- अक्षरे आठ लाख पचपन हजार रूपया** विक्रेता ने आप क्रेता से नकद प्राप्त कर इस विक्रय पत्र पर अपने हस्ताक्षर/निशानी कर दिये है।

4- यह कि उक्त भूमि में प्रथम पक्ष विक्रेता तथा मेरे वारिसान का कोई हक हकूक व हित शेष नही रहा है विक्रेता प्रथम पक्ष को विक्रय पेटे कोई राशि लेना शेष नही है तथा जो भी हक अधिकार एवं सुखाधिकार मुझ प्रथम पक्ष विक्रेता को प्राप्त थे वो सभी हक हकूक एवं सुखाधिकार इस विक्रय पत्र के द्वारा द्वितीय पक्ष क्रेता को प्राप्त हो चुके है, क्रेता द्वितीय पक्ष उक्त भूमि दान,विक्रय,बक्षीस, वसीयत करे उक्त भूमि को राजस्व रेकार्ड में अपने नाम पर दर्ज करावे, लगान देवे किसी भी प्रकार से उपयोग व उपभोग करे, किसी भी प्रकार से हस्तान्तरित करे, तो इसमें प्रथम पक्ष विक्रेता तथा वारिसान को कोई उजर एतराज या आपत्ति नही होगी एवं उक्त भूमि विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कमी के कारण भविष्य मे क्रेता के कब्जे से निकल जाने पर विक्रेता स्वय एंव विक्रेता के वारिसान से हर्जा-खर्चा विक्रय मूल्य प्राप्त करने का अधिकारी होगा।

5- यह कि उक्त भूमि सभी प्रकार के ऋण, भार एवं मांगो से मुक्त है तथा किसी भी न्यायालय की डिक्री या जमानत में न्यस्त नही है तथा इस पर वर्तमान में किसी भी न्यायालय का स्थगन आदेश जारी या प्रभावशील नही है। अगर आज से पहले का कोई भी भार उक्त भूमि बाबत बकाया निकलेगा तो उसकी क्षतिपूर्ति का सम्पूर्ण दायित्व विक्रेता प्रथम पक्ष का होगा।

6- यह कि इस विक्रय पत्र के साथ फोटो प्रति उपलब्ध है जो भविष्य में अपठनीय होने पर विभाग की कोई जिम्मेदारी नही होगी ।

7- यह कि विक्रय पत्र का सभी प्रकार का विधिक व्यय क्रेता द्वितीय पक्ष ने ही वहन किया है।

ह0 क्रेता ह0विक्रेता 5

नोट : विक्रय पत्र तादादी रूपया 8,55,000/- के साथ संलग्न

8- यह कि इस विक्रय पत्र के साथ जमाबन्दी की नकल/विक्रय सम्पति के फ़ोटो साथ में संलग्न है।

9- यह कि उक्त वर्णित भूमि को आप क्रेता को विक्रय कर भूमि का कब्जा आप क्रेता को सुपुर्द कर दिया है।

लिहाजा यह विक्रय पत्र सम्पति विक्रेता द्वारा स्टाम्प विक्रेता राजसमन्द दिनेश चन्द्र उपाध्याय अनुज्ञा सं. 2ए/98 से स्टाम्प नं. 2665 दि. 11.11.14 राशि 10,000/1नग, कुल राशि 10,000/- रू. क्रय कर एवं पाईप पेपर पर निम्न साक्षीयों के समक्ष बिना नशे पतें व बिना किसी डर व दबाव के मन एवं शरीर की स्वस्थ स्वतन्त्र एवं स्थिर अवस्था में विक्रय पत्र को पढ सुन व समझकर अपने अपने हस्ताक्षर/निशानी कर निष्पादित कर दिया सो सनद रहे।

नोट - विक्रय विलेख का प्रारूप प्रलेख लेखक चन्द्रसिंह चपलोत ला. नं. 78/86 कुंवारिया द्वारा विक्रेता एवं क्रेता द्वारा कहे एवं बताये तथ्यों के आधार पर तैया[redacted]या है। विक्रेता एवं क्रेता की पहचान साक्षीगणों द्वारा की गई [redacted]

दिनांक :14

ह0 क्रेता ह0 विक्रेता

[redacted]

साक्षी -1 मुकेश कुमार S/o ...

साक्षी ....

सुरेन्द्रसिंह ... पालड़

साक्षी ....

ह0 क्रेता ट्रस्ट

नजर

/ट्रस्टी

ह0 विक्रेता

जिला - राजसमन्द (राज.)

आज दिनांक 14-11-2019 को इस लेख्य पत्र को
पुस्तक सं 01 जिल्द सं 17 की पृष्ठ संख्या 12
क्रम संख्या 1612/2019 पर पंजिबद्ध किया गया
अतिरिक्त पुस्तक सं 01 जिल्द सं 17 [illegible]
68 से 76 पर [illegible] किया गया

उप पंजीयक कुवारिया